सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण जनपद सोनभद्र

अवधि : 26 से 29 दिसम्बर 2017

टीम के सदस्यः

1. श्री महेन्द्र प्रताप यादव, उपमहाप्रबन्धक,एम0आई0एस0,एस0पी0एम0यू0–एन0एच0एम0।
2. श्री पुरन्जय प्रताप सिंह,कार्यक्रम समन्वयक,एम0एण्ड ई0,एस0पी0एम0यू0–एन0एच0एम0।

दल के सदस्यों द्वारा निम्न इकाईयों/कार्यक्रमों का भ्रमण किया गया।

क्र0स0	ब्लाक का नाम	स्वास्थ्य इकाई का नाम	इकाई का प्रकार
1	राबर्टसगंज	ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस–कतवरिया	VHND
2	राबर्टसगंज	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ककराही	L-2
3	घोरावल	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, घोरावल	L-2
4	दुद्धी	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, दुद्धी	L-2
5	चोपन	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, चोपन	L-2
6	राबर्टसगंज	जिला संयुक्त चिकित्सालय, सोनभद्र	L-3

भ्रमण दल द्वारा निम्नलिखित बिन्दुओं पर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गयाः–

1. ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस – प्राथमिक विद्यालय (आंगनवाडी केन्द्र) कतवरिया, ब्लाक–राबर्टसगंज, जनपद–सोनभद्र। (दिनांक 27.12.2017)

क्रमांक	पर्यवेक्षण बिन्दु	अनुपालन/निर्देश
1	सत्र स्थल पर बैनर की स्थिति ठीक नहीं थी।	ए0एन0एम0 एवं आशा के द्वारा बैनर को उपयुक्त स्थान पर लगवाया गया।
2	सत्र स्थल पर पोषाहार का वितरण नहीं किया जा रहा था।	आंगनवाडी कार्यकत्री उपस्थित नहीं थी।
3	ए0एन0एम0 अपनी यूनीफार्म में नहीं थी।	ए0एन0एम0 को निर्देशित किया गया कि भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न हो।
4	आशा के पास ड्रग किट उपलब्ध नहीं थी।	इस संबंध में एम0ओ0आई0सी0 एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक से कार्यवाही की अपेक्षा की गयी है।
5	प्रसव पूर्व जांच (ए0एन0सी0) की जा रही थी किन्तु लंबाई मापने की सुविधा नहीं थी।	ए0एन0एम0 को निर्देशित किया गया तथा एम0ओ0आई0सी0 के द्वारा अगले दिन उपलब्ध कराने की अपेक्षा की गयी।
6	आई0ई0सी0 सामग्री की कमी थी।	
7	ड्यू लिस्ट अद्यतन थी एवं उसके अनुसार	भविष्य में भी ऐसे ही कार्यों को सम्पादित

	महिलाओं को आशा के माध्यम से सत्र स्थल पर एकत्रित भी किया गया था।	करने के निर्देश दिये गये।

2. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र– ककराही, ब्लाक–राबर्टसगंज, जनपद–सोनभद्र। (27.12.2017)

क्रमांक	पर्यवेक्षण बिन्दु	अनुपालन/निर्देश
1	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पुरानी बिल्डिंग में संचालित है जबकि नवीन भवन तैयार है पर हैण्डओवर नहीं हुआ है।	मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष प्रकरण रखा गया।
2	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र साफ–सुथरा एवं आई0ई0सी0 भी पर्याप्त मात्रा में पायी गयी।	प्रशंसा की गयी तथा भविष्य में भी ऐसे ही व्यवस्था को बनाये रखने हेतु निर्देशित किया गया।
3	ए0एफ0एच0एस0 क्लीनिक में आई0ई0सी0 की कमी थी एवं कम्प्यूटर खराब था।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा बतलाया गया कि कम्प्यूटर जब से क्रय किये गये हैं, तभी से खराब है। आई0ई0सी0 की व्यवस्था हेतु डी0पी0एम0 द्वारा आश्वासन दिया गया।
4	क्लीनिक पर उपलब्ध प्रिन्टेड रजिस्टर में लाभार्थी की आयु लिखने का कॉलम नहीं था। काउन्सलर के द्वारा स्वयं से आयु लिखी जा रही थी।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक को निर्देशित किया गया कि त्रुटि को सही करायें।
5	बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन का कार्य एजेन्सी के माध्यम से नहीं किया जा रहा था।	मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष प्रकरण को रखा गया। एम0ओ0आई0सी0 के द्वारा अन्य तरीके से व्यवस्था की गयी है।
6	भर्ती मरीजों के द्वारा अवगत कराया गया है कि दवाईयां एवं भोजन समय से प्राप्त हो रहा है।	प्रशंसा की गयी तथा भविष्य में भी ऐसे ही व्यवस्था को बनाये रखने हेतु निर्देशित किया गया।
7	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर उपलब्ध रेडियन्ट वार्मर क्रियाशील नहीं था।	संबंधित प्रकरण से मुख्य चिकित्साधिकारी को अवगत कराया गया।
8	आयुष चिकित्सकों के द्वारा ओ0पी0डी0 की जा रही थी परन्तु फार्मासिस्ट उसी विधा का नहीं था। दवाओं की कमी थी।	जनपद स्तर से दवायें दूसरे दिन उपलब्ध कराने की अपेक्षा की गयी।
9	सपोर्टिव सुपरविजन हेतु उपलब्ध वाहन का प्रयोग भ्रमण के साथ–साथ अन्य कार्यालयी कार्यों हेतु भी किया जा रहा था।	लॉगबुक को सुव्यवस्थित ढ़ंग से भरने के निर्देश दिये गये।
10	नर्स मेण्टर के द्वारा स्टाफ नर्स एवं ए0एन0एम0 की क्षमतावर्धन का कार्य	स्टाफ नर्स एवं ए0एन0एम0 को अपनी क्षमतावर्धन में नर्स मेण्टर को सहयोग

	किया जा रहा था।	देने हेतु निर्देशित किया गया।

3. **सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र– घोरावल। दिनांक– 27.12.2017**

क्रमांक	पर्यवेक्षण बिन्दु	अनुपालन/निर्देश
1	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र साफ सुथरा था तथा आई0ई0सी0 भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध थी।	प्रशंसा की गयी तथा भविष्य में भी ऐसे ही व्यवस्था को बनाये रखने हेतु निर्देशित किया गया।
2	वार्ड में भर्ती मरीज श्रीमती रूपा के द्वारा अवगत कराया गया कि चिकित्सालय में औषधि एवं खाना ससमय मिल रहा है। घर से अस्पताल तक लाने के लिये '108' सेवा के ड्राइवर के द्वारा 200 रूपये लिये गये।	एम0ओ0आई0सी0 एवं मुख्य चिकित्साधिकारी के द्वारा कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये।
3	के0एम0सी0 को लेबर रूम में ही स्थापित किया गया है।	किसी अन्यत्र स्थान पर स्थापित करने के निर्देश दिये गये।
4	एन0बी0सी0सी0 क्रियाशील नहीं था।	मुख्य चिकित्साधिकारी को प्रकरण से अवगत कराया गया
5	चिकित्सकों एवं अन्य स्टाफ हेतु उपलब्ध आवास की स्थिति बहुत खराब थी।	मुख्य चिकित्साधिकारी के साथ बैठक (28.12.2017) को की गयी।
6	बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन का कार्य एजेन्सी के माध्यम से नहीं किया जा रहा था।	मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष प्रकरण को रखा गया।

4. **जिला संयुक्त चिकित्सालय, सोनभद्र– दिनांक– 28.12.2017**

क्रमांक	पर्यवेक्षण बिन्दु	अनुपालन/निर्देश
1	चिकित्सालय में फैसीलिटी ब्रान्डिंग के अंतर्गत कार्य सम्पादित किये गये है। किन्तु प्रदर्शित की गयी आई0ई0सी0 में गर्भवती महिलाओं हेतु 100 आयरन की गोलियां देने का प्राविधान अंकित था। जबकि मातृत्व स्वास्थ्य अनुभाग की दिशा निर्देशों के अनुसार गर्भवती महिला को 180 आयरन की गोलिया देने हेतु निर्देशित किया गया है।	मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष प्रकरण को रखा गया।
2	चिकित्सालय के एस0एन0सी0यू0 में उपलब्ध 12 रेडियन्ट वार्मर में से दो क्रियाशील नहीं पाये गये।	मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष प्रकरण को रखा गया।
3	लेबर रूम में दिशा निर्देशों के अनुसार ट्रे	प्रशंसा की गयी तथा भविष्य में भी ऐसे

	व्यवस्थित की गयी थी।	ही व्यवस्था को बनाये रखने हेतु निर्देशित किया गया।
4	एन0आर0सी0 10 शैय्या युक्त है किन्तु भ्रमण के दौरान मात्र 01 ही बच्चा भर्ती पाया गया।	मुख्य चिकित्साधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के समक्ष प्रकरण को रखा गया।
5	चिकित्सालय की सफाई व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी तथा आई0ई0सी0 भी पर्याप्त मात्रा में थी।	प्रशंसा की गयी तथा भविष्य में भी ऐसे ही व्यवस्था को बनाये रखने हेतु निर्देशित किया गया।
6	महिला वार्ड में उपलब्ध आक्सीजन सिलेण्डर को स्टाफ नर्स के द्वारा खोला नहीं जा सका। महिला वार्ड में स्थान की भी कमी देखने में आयी।	मुख्य चिकित्साधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के समक्ष प्रकरण को रखा गया।
7	चिकित्सालय में स्थापित की गयी मिनी स्किल लैब सुदृढ़ स्थिति में पायी गयी तथा रिकार्ड कीपिंग भी व्यवस्थित थी।	प्रशंसा की गयी तथा भविष्य में भी ऐसे ही व्यवस्था को बनाये रखने हेतु निर्देशित किया गया।
8	बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन का कार्य एजेन्सी के माध्यम से नहीं किया जा रहा था।	मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष प्रकरण को रखा गया।

5. <u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र– दुद्धी दिनांक– 28.12.2017</u>

क्रमांक	पर्यवेक्षण बिन्दु	अनुपालन/निर्देश
1	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में ए0एफ0एच0एस0 काउन्सलर के पास बी0पी0 अप्रेटस (दो) उपलब्ध थे। जो कि अक्रियाशील थे तथा काउन्सलर को उनका प्रयोग करने की समुचित जानकारी भी नहीं थी।	मुख्य चिकित्साधिकारी एवं अधीक्षक के समक्ष प्रकरण को रखा गया।
2	चिकित्सालय का निरीक्षण करने के दौरान प्रकाश में आया कि न्यू बार्न स्टेबलाइजेशन यूनिट (एन0बी0एस0यू0) की स्थापना हेतु तीन रेडियन्ट वार्मर जिलाधिकारी महोदय के सौजन्य से उपलब्ध कराये गये थे किन्तु मानव संसाधन की अनुउपलब्धता के कारण इनका समुचित उपयोग नहीं किया जा पा रहा है।	मुख्य चिकित्साधिकारी एवं अधीक्षक के समक्ष प्रकरण को रखा गया।
3	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की सफाई व्यवस्था बहुत ही खराब थी ऐसा प्रतीत हो	मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष प्रकरण को रखा गया।

	रहा था कि चिकित्सालय में नियमित रूप से सफाई नहीं की जा रही है।	
4	चिकित्सालय के अन्दर/वार्डो में आई0ई0सी0 की कमी थी।	मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष प्रकरण को रखा गया।
5	बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन का कार्य एजेन्सी के माध्यम से नहीं किया जा रहा था।	मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष प्रकरण को रखा गया।

6. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र– चोपन, दिनांक– 29.12.2017

क्रमांक	पर्यवेक्षण बिन्दु	अनुपालन/निर्देश
1	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भण्डारण की समस्या थी। जगह–जगह पर सामान बिखरा पडा था। ज्ञात हुआ कि जनपद स्तर से बगैर मांग के ही सामान भेज दिया गया है।	मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष प्रकरण रखा गया।
2	अधीक्षक के कमरे में खाली कण्डोम बाक्स रखा हुआ था।	बी0पी0एम0 को बाक्स रजिस्ट्रेशन काउण्टर के पास लगवाने के निर्देश दिये गये। अगले दिन बाक्स लगा दिया गया।
3	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र साफ–सुथरा एवं आई0ई0सी0 भी पर्याप्त मात्रा में पायी गयी।	प्रशंसा की गयी तथा भविष्य में भी ऐसे ही व्यवस्था को बनाये रखने हेतु निर्देशित किया गया।
4	आई0सी0टी0सी0 में काउन्सलर एवं एल0टी0 उपस्थित थे। आई0ई0सी0 की कमी थी।	आई0ई0सी0 की व्यवस्था हेतु डी0पी0एम0 द्वारा आश्वासन दिया गया।
5	बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन का कार्य एजेन्सी के माध्यम से नहीं किया जा रहा था।	मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष प्रकरण को रखा गया।
6	भर्ती मरीजों के द्वारा अवगत कराया गया है कि दवाईयां एवं भोजन समय से प्राप्त हो रहा है।	प्रशंसा की गयी तथा भविष्य में भी ऐसे ही व्यवस्था को बनाये रखने हेतु निर्देशित किया गया।
7	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर एन0बी0एस0यू0 हेतु 3 स्टाफ नर्स तैनात हैं, किन्तु उपकरण उपलब्ध नहीं थे।	संबंधित प्रकरण से मुख्य चिकित्साधिकारी को अवगत कराया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा बतलाया गया कि यदि एन0बी0एस0यू0 को चोपन से दुद्धी में ट्रांसफर कर दिया जाये तो एन0बी0एस0यू0 क्रियाशील हो जायेगा तथा जनता को इसका लाभ भी प्राप्त हो सकेगा।
8	नर्स मेण्टर के द्वारा स्टाफ नर्स एवं ए0एन0एम0 की क्षमतावर्धन का कार्य किया	स्टाफ नर्स एवं ए0एन0एम0 को अपनी क्षमतावर्धन में नर्स मेण्टर को सहयोग देने

	जा रहा था। उच्च जोखिम वाली महिलाओं का चिन्हीकरण किया जा रहा था।	हेतु निर्देशित किया गया।

पर्यवेक्षण के दौरान प्रकाश में आये प्रमुख बिन्दु–

- जनपद में किसी भी इकाई पर बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट के तहत एजेन्सी के द्वारा कार्य नहीं किया जा रहा है।
- सहयोगात्मक पर्यवेक्षण एवं आर0बी0एस0के0 के तहत ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा नहीं की गयी है।
- जनपद में आशा ड्रग किट रिप्लेनिसमेण्ट का कार्य लम्बित है।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र– ककराही एवं 50 शैय्या युक्त एम0सी0एच0 विंग घोरावल, स्वास्थ्य विभाग को हस्तांतरित न होने के कारण स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने में समस्या आ रही है।
- अधिकतर इकाईयों पर रेडियण्ट वार्मर अकियाशील पाये गये।
- जनपद में ए0एफ0एच0एस0 क्लीनिक हेतु कय किये गये 08 कम्प्यूटर अकियाशील स्थिति में पाये गये।
- बायोमेट्रिक व्यवस्था के तहत उपस्थिति दर्ज नहीं की जा रही है।
- मोबाइल एकेडमी की प्रगति संतोषजनक नहीं पायी गयी।
- जनपद में 108 सेवा के तहत एम्बुलेन्सों की संख्या में वृद्धि की जाने की आवश्यकता है।
- न्यू बार्न स्टेबलाइजेशन यूनिट (एन0बी0एस0यू0) को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र– चोपन से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र– दुद्धी में स्थानांनतरित किये जाने की आवश्यकता है।

पुरन्जय प्रताप सिंह,
कार्यक्रम समन्वयक,एम0एण्ड ई0,
एस0पी0एम0यू0–एन0एच0एम0

महेन्द्र प्रताप यादव,
उपमहाप्रबन्धक,एम0आई0एस0,
एस0पी0एम0यू0–एन0एच0एम0